उत्तराखंड के परिवहन मंत्री चंदन रामदास का निधन

चर्चा में क्यों?

26 अप्रैल, 2023 को उत्तराखंड के परिवहन मंत्री चंदन रामदास का निधन हो गया है। उन्होंने बागेश्वर के एक अस्पताल में अंतिम साँस ली।

प्रमुख बिंदु

- परिवहन मंत्री चंदन रामदास बागेश्वर धाम गए हुए थे, जहाँ उनकी तबियत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें बागेश्वर के ज़िला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका निधन हो गया।
- उत्तराखंड की अब तक की सरकारों में वह तीसरे कैबिनेट मंत्री हैं, जिनके निधन की वजह कोई न कोई बीमारी बनी है। उनसे पहले कुमाऊँ के दिग्गज राजनेता प्रकाश पंत और हरिद्वार ज़िले के नेता सुरेंद्र राकेश की मृत्यु कैंसर से हुई थी। सुरेंद्र राकेश कॉन्ग्रेस सरकार में मंत्री थे, जबकि प्रकाश पंत भाजपा सरकार में मंत्री थे।
- प्रदेश के परिवहन कल्याण मंत्री बागेश्वर के विधायक चंदन रामदास का राजनीतिक करियर 1980 में शुरू हुआ। वह 1997 में नगरपालिका बागेश्वर के निर्दलीय अध्यक्ष बने। इससे पूर्व एम.बी. डिग्री कॉलेज हल्द्वानी में बी.ए. प्रथम वर्ष में निर्विरोध संयुक्त सचिव बने।
- 2006 में पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी की प्रेरणा पर चंदन रामदास भाजपा में शामिल हुए थे। 2007, 2012, 2017 और 2022 में वह लगातार चौथी बार विधायक चुने गए। उनके निधन पर 26 से 28 अप्रैल तक प्रदेश में राजकीय शोक घोषित किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-transport-minister-chandan-ramdas-passed-away